बुजुर्गों के लिए...

तारांशु

मासिक

अक्टूबर – 2015 वर्ष 3, अंक 12, पृ.सं. 20

मूल्य – 5 रु.

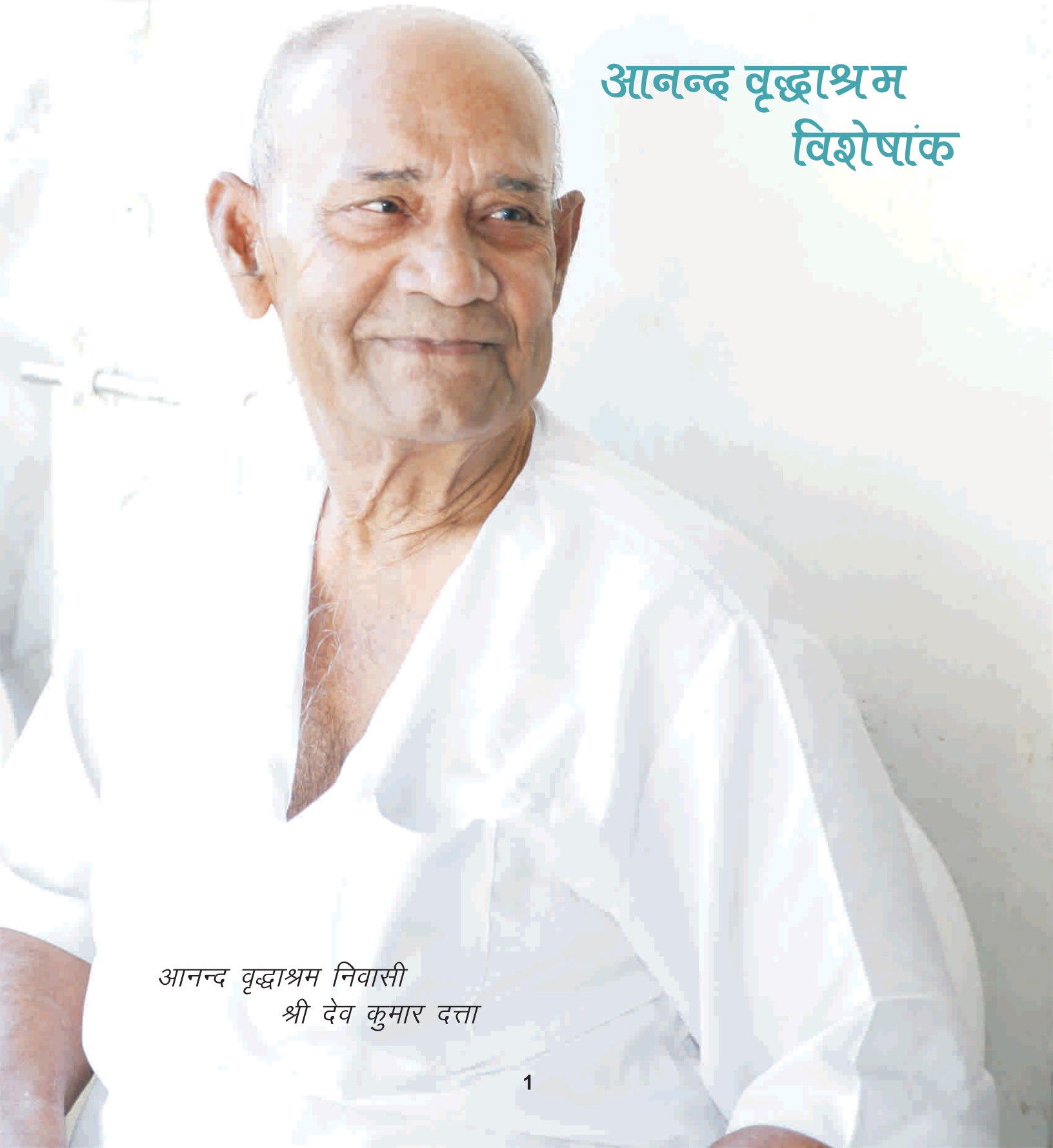

आनन्द वृद्धाश्रम विशेषांक

आनन्द वृद्धाश्रम निवासी
श्री देव कुमार दत्ता

आनन्द वृद्धाश्रम : उद्घाटन

'तारा संस्थान' उदयपुर का असहाय, एकाकी, बुजुर्गों की निःशुल्क मानवीय सेवा का संकल्प शुक्रवार, 03 फरवरी, 2012 को उस समय पूरा हुआ जब एक भव्य समारोह में दिल्ली के सुप्रसिद्ध समाज सेवी एवम् उद्योगपति श्री रमेश सचदेवा तथा श्रीमती शमा सचदेवा के पावन कर–कमलों से 'आनन्द वृद्धाश्रम' का विधिवत् उद्घाटन सम्पन्न हुआ। समारोह की अध्यक्षता नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर की ट्रस्टी एवं कोषाध्यक्ष श्रीमती कमला देवी अग्रवाल ने की। इस अवसर पर देश के कई शहरों व लंदन से पधारे हुए विशिष्ट अतिथियों व नगर के गण्यमान्य नागरिकों ने अपनी उपस्थिति से समारोह की शोभा बढ़ाई।

श्रीमती कमला देवी एवं
श्रीमती सचदेवा उद्घाटन के अवसर पर...

एक वृद्ध सहयोग राशि रु. 5000/- प्रति माह

श्री रमेश सचदेवा व
श्रीमती शमा सचदेवा फीता काटते हुए...

भारत सरकार द्वारा ''आनन्द वृद्धाश्रम'' की प्रशंसा

श्री सुधीर भार्गव (प्रमुख सचिव, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, केन्द्र सरकार) ने 16 नवम्बर, 2014 को आनन्द वृद्धाश्रम का दौरा किया। वह इस आश्रम की सारी व्यवस्थाओं से प्रसन्न हुए और लिखा : ''मेरा आनन्द वृद्धाश्रम का निरीक्षण अत्यन्त आनंददायी रहा। इस 'घर' का संचालन एवं रख–रखाव समुचित ढंग से और उमंग से किया जा रहा है। यहाँ के कर्मचारी वृद्धों की ठीक से देखभाल करते हैं। यहाँ के निवासी यहाँ की सुविधाओं से पूर्ण संतुष्ट लगते हैं। मेरी एक सलाह है कि यहाँ पर कुछ 'व्यावसायिक' प्रशिक्षण वगैरह की भी व्यवस्था की जाए जिससे वृद्ध जन अपनी दक्षता का उपयोग करके न सिर्फ सक्रिय रहेंगे बल्कि अपनी सहभागिता भी बढ़ाएंगे। आनन्द आश्रम ने यह सुनिश्चित कर रखा है कि वरिष्ठ नागरिक सम्मान के साथ जीवन बिताएँ। मैं आशा करता हूँ कि यह केन्द्र दिन–दूनी रात–चौगुनी प्रगति करते हुए देश के नामी वृद्धाश्रमों की गिनती में शामिल होवे।

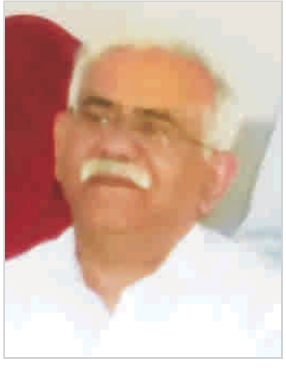

श्री सुधीर भार्गव, प्रमुख सचिव, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, केन्द्र सरकार

आप भी यदि किसी असहाय बुजुर्ग बन्धु के लिए 'आनन्द वृद्धाश्रम' में आवास की मानवीय सुविधा उपलब्ध करवाने की सेवा भावना रखते हैं, तो कृपया प्रति बुजुर्ग 5000 रु. प्रतिमाह की दर से अपना दान सहयोग 'तारा संस्थान' को प्रेषित करने की कृपा करें।
01 माह - 5000 रु., 03 माह - 15000 रु., 06 माह - 30000 रु., 01 वर्ष - 60000 रु.

वृद्धाश्रम आवासियों से कोई शुल्क नहीं लिया जाता है। उनके लिए वृद्धाश्रम की सभी सेवाएँ सुविधाएँ - भोजन, वस्त्र, आवास, चिकित्सा देखभाल आदि सर्वथा निःशुल्क हैं।

आशीर्वाद
डॉ. कैलाश 'मानव'
संस्थापक एवं प्रबन्ध न्यासी,
नारायण सेवा संस्थान (ट्रस्ट), उदयपुर

आभार
श्री एन.पी. भार्गव
मुख्य संरक्षक, तारा संस्थान,
उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती शमा - श्री रमेश सचदेवा
संरक्षक,
उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्री सत्यभूषण जैन
संरक्षक,
प्रमुख समाजसेवी, दिल्ली

प्रकाशक एवं सम्पादक
कल्पना गोयल

दिग्दर्शक
दीपेश मित्तल

कार्यकारी सम्पादक
तखत सिंह राव

ले-आउट व ग्राफिक डिजाइनर
गौरव अग्रवाल

संयोजन सहायक
जगदीश मुण्डानिया

अनुक्रमणिका

विषय		पृष्ठ संख्या
आनन्द वृद्धाश्रम : उद्घाटन	-	02
अनुक्रमणिका	-	03
आनन्द वृद्धाश्रम विशेषांक क्यों ? / वृद्धों के कानून	-	04
वृद्धाश्रम वासियों के वृत्तांत 1 : श्री राजेन्द्र सोनी	-	05
वृद्धाश्रम वासियों के वृत्तांत 2 : श्रीमती शांति देवी पौद्दार	-	06
वृद्धाश्रम वासियों के वृत्तांत 3 : श्री हेमराज - श्रीमती प्रेम पौद्दार	-	07
वृद्धाश्रम वासियों के वृत्तांत 4 : श्री अनिल मेहरा व माताजी	-	08
वृद्धाश्रम वासियों के वृत्तांत 5 : श्री सतीश चन्द्र - श्रीमती राजकुमारी अग्रवाल	-	09
वृद्धाश्रम वासियों के वृत्तांत 6 : श्री सत्यानारायण जी	-	10
वृद्धाश्रम वासियों के वृत्तांत 7 : श्री खेमराज जी	-	11
वृद्धाश्रम वासियों के वृत्तांत 8 : श्री शिवराम जी	-	11
प्रस्तावित नवीन परिसर हेतु भूमि अनुदान	-	12
अन्तर्राष्ट्रीय वृद्ध दिवस पर आयोजन / बच्चे का AIMS में मोतियाबिन्द ऑपरेशन	-	13
मासिक अपडेट्स : मोतियाबिन्द जाँच शिविर	-	14-16
स्वागत	-	17
धन्यवाद	-	18
सम्पर्क सूत्र - तारा संस्थान	-	19

आशीर्वाद - डॉ. कैलाश 'मानव', संस्थापक - नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर

श्रीमती कल्पना गोयल अपनी पूज्य माता एवं पूज्य पिता डॉ. कैलाश 'मानव' की सन्निधि में,

'तारांशु' – स्वत्वाधिकारी, श्रीमती कल्पना गोयल द्वारा 240–ए, हिरण मगरी, सेक्टर – 6, उदयपुर (राज.) 313002 से प्रकाशित तथा मुद्रक श्री सत्यप्रकाश कुमार शर्मा द्वारा सागर ऑफसेट प्रिन्टर, इण्डिया प्रा. लि. प्लॉट नं. 518, इकोटेच – III, उद्योग केन्द्र एक्टेंषन – II, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) में मुद्रित, सम्पादक – श्रीमती कल्पना गोयल

जवानी जो है वो प्रकृति का वरदान है लेकिन उम्र कला का काम है।

आनन्द वृद्धाश्रम विशेषांक क्यों?

तारांशु एक माध्यम है हमारी बात आप तक पहुँचाने का... और तारा संस्थान जो कुछ कर पा रही है वो तभी संभव है जब आप सभी का सहयोग बना रहे और यह सहयोग निरंतर बना रहे यह भी आवश्यक है क्योंकि कोई हमें साल में एक बार, कोई 6 महीने में एक बार, कोई महीने में एक बार सहयोग देता है या ये भी हो सकता है कि केवल एक ही बार सहयोग करें... लेकिन कहते है ना कि बूंद–बूंद से घड़ा भरता है तो बस ''तारा'' का ये घड़ा आप सब के सहयोग से भरता है और इस घड़े के अमृत से.... जी हाँ ये अमृत ही तो है जो न जाने कितने बुजुर्गों, विधवा महिलाओं के चेहरे की मुस्कुराहट वापस लाता है।

आप कल्पना कीजिए कि एक बुजुर्ग जिसके बच्चों ने उसे छोड़ दिया हो, उसके पास कोई पैसा नहीं हो और अब वो कोई काम भी नहीं कर सकता हो क्योंकि शरीर भी तो उम्र के साथ–साथ थक गया है, वो कहाँ जाए.....?

या फिर एक ऐसी माँ जिसको मोतियाबिन्द के कारण दिखना बंद हो गया है उसे पता है कि ऑपरेशन हो सकता है लेकिन बेटे के ऊपर निर्भर है और बेटा भी जानता है कि माँ का ऑपरेशन हो सकता है लेकिन उसके पास इतने पैसे नहीं कि ऑपरेशन करा सके क्योंकि जिम्मेदारियाँ पहले ही बहुत हैं..... तो वो भी मुँह सिल के बैठा है.... अब माँ क्या करे....? या एक छोटी सी लड़की जिसकी उम्र 20–22 या 25–30 है उसका पति नहीं रहा.. .. समाज की विषमता है पर अभी भी एक हकीकत है कि विधवा का विवाह नहीं होता है.... छोटे–छोटे बच्चे हैं जो पढ़ रहे हैं.... अब वो क्या करें....?

....या एक गाँव का बुजुर्ग जोड़ा.... शरीर से बहुत ही दुर्बल। एक ही बेटा है जो सूरत या मुंबई काम पर गया और फिर वहीं का होकर रह गया। गाँव में थोड़ी बहुत जमीन है वो भी बंजर और वैसे भी शरीर इतना दुर्बल, तो क्या करें, कैसे करें दो वक्त के भोजन की व्यवस्था..? ये ही कुछ प्रश्न हैं जिनके उत्तर में तारा काम कर रही है..... तारांशु का यह अंक हमारे आंनद वृद्धश्रम को समर्पित है..... विशेषांक इसलिए है कि रुटिन में अपको बता ही नही पाते हैं। कुछ दर्द तो मिलेगा इस विशेषांक में क्योंकि दर्द नहीं होता तो कौन बुजुर्ग घर छोड़कर वृद्धाश्रम आता.. ...? तो बस इन सबने हमसे बांटा और हम आपसे बांट रहे... क्योंकि कहते है ना कि बांटने से दर्द हलका हो जाता है।

आप सभी का प्यार मिलता रहे...

आपको व आपके सारे परिवार को दीपावली की शुभकामनाओं के साथ!

श्रीमती कल्पना गोयल
अध्यक्ष, तारा संस्थान

जिन बच्चों के लिए अपना ख़ून बेचकर भोजन जुटाया उन्होंने ही तिरस्कृत किया!

श्री सोनी तारा नेत्रालय, उदयपुर के ओ.पी.डी. में मरीज व्यवस्था में मदद करते हुए

श्री राजेन्द्र सोनी भरतपुर (राज) के छोटे से गाँव से हैं। इनका पुश्तैनी कार्य सुनारी का था परन्तु इन्होंने इस कार्य को नहीं किया क्योंकि लोग इस कार्य पर बेईमानी का ठप्पा लगाने लग गए थे। राजेन्द्र जी ने 10 वीं की पढ़ाई के बाद ऐटा (यू.पी.) में 3 साल तक रेडियो मैकेनिक का काम सीखते हुए किया, इलेक्ट्रोनिक्स का कार्य भी सीखा। परन्तु दुकान मालिक से मनमुटाव होने पर उन्होंने अपने घर के पास खुद की दुकान खोल ली। 25 वर्ष की उम्र में इनकी शादी हो गई। जीवन अच्छा चल रहा था। इनके 2 बच्चे व 2 बच्चियाँ हुईं। वे सब अच्छे से सैटल हैं। जब इन्होंने मकान बनाना शुरू किया तो धीरे – धीरे उधारी हो गई। सारे पैसे खत्म हो गए एक वक्त ऐसा भी आया जब बच्चों को दो दिन से खाना नहीं मिला तो इनका दिल पसीज गया। इन्होंने जयपुर जाकर अपना खून बेचकर बच्चों के लिए व बच्चे ही आज पत्थर दिल हो गए।

सन् 1994 में इनकी पत्नी के देहांत के बाद इनकी गृहदशा बिगड़ने लगी। इनके बड़े भाई ने इनके मकान पर लालची नज़र गढ़ा दी। इनके बड़े पुत्रों को भी शराब वगैरह पिला कर राजेन्द्र जी को परेशान करवाया करते थे। इस तरह की बदमाशी से परेशान होकर राजेन्द्र जी ने घर छोड़ दिया। कई साल तक अलग – अलग साधुओं की टोलियों में घूमते रहे। करीब 3 साल के बाद वापस घर पहुँचे तो भी बच्चों ने घर बिकवाने का दबाव बनाया, मना करने पर परेशान करते थे। अन्ततः घर छोड़कर किसी पहचान के द्वारा आनन्द वृद्धाश्रम आ गए। इनका कहना है कि अगर यहाँ आसरा नहीं मिलता तो आत्महत्या कर लेते क्योंकि कहीं और जाने का कोई साधन ही नहीं था।

तारा संस्थान के आनन्द आश्रम की तारीफ करते नहीं थकते – राजेन्द्र जी के अनुसार यहाँ साधारण खाने के अतिरिक्त आवश्यकतानुसार दूध, फल, पराठे, दलिया आदि भी उपलब्ध कराया जाता है। वे कहते हैं कि उन्होंने कल्पना जी जैसे व्यक्ति को जीवन में कहीं नहीं देखा – ये दूसरों के दुखों को अपना मानकर चलती हैं। उनकी दानदाताओं से विनंती है कि आनन्द वृद्धाश्रम की ज्यादा–से–ज्यादा मदद कर अनेकानेक निःसहाय वृद्धों की दुआओं का पुण्य कमाएँ।

प्रसन्न मुद्रा में श्री राजेन्द्र सोनी

आयु महत्त्वपूर्ण नहीं है जब तक आप पनीर नहीं है।

विधवा महिला के जीवन का उतार – चढ़ाव

80 वर्षीय शांति देवी का जीवन बहुत उतार चढ़ाव भरा रहा है। बहुत छोटी उम्र में ही इनकी शादी करा दी गई। वह भी इनकी उम्र में कहीं ज्यादा बड़े व्यक्ति से। सो, जैसे–तैसे जीवन गुजारा, फिर लगभग 60 वर्ष पहले ही इनके पति गुजर गए। यह महिला करीब 5 वर्ष तक वृंदावन में अकेली रही फिर उदयपुर में लौट आईं। इनका एक पुत्र व्यवसायी है जिनके साथ ये रह रही थी लेकिन इनकी पुत्रवधू से नहीं बन पाई। और तो और, पुत्र और बहु ने धंधे में नुकसान की बात पर फुसला कर इनका मकान बिकवा दिया और सारा पैसा उन्होंने रख लिया, शांति देवी को फूटी कौड़ी भी नहीं दी। एक दिन अखबार में आनन्द वृद्धाश्रम के बारे में जानकारी मिली और सीधे यहाँ चली आईं। अपने जीवन की संध्या पर शांति देवी अब सुकुन से जीवन गुजार रही हैं। शांति देवी आनन्द वृद्धाश्रम की समस्त सुविधाओं से पूर्णतः संतुष्ट हैं।

श्रीमती पौद्दार, आनन्द वृद्धाश्रम में सहेलियों के साथ हँसी – ठिठोली करते हुए....

चालीस जवानी का बुढ़ापा है, पचास बुढ़ापे की जवानी है।

वृद्धाश्रम वासियों के वृत्तांत 3 : **श्री हेमराज पौद्दार – श्रीमती प्रेम पौद्दार**

पौद्दार दम्पति का अपना घर

दोपहर की चाय का आनन्द लेते हुए पौद्दार दम्पति

श्री हेमराज तारा नेत्रालय में अपनी सेवाएँ देते हुए

श्री हेमराज जी पौद्दार (65 वर्ष) कलकत्ता में रहते एवं स्क्रेप की ट्रेडिंग करते थे। काफी समय अच्छा सा कारोबर किया फिर स्वास्थ्य समस्या की वजह से अपना व्यवसाय बड़े पुत्र को सौंप दिया। इनके 2 पुत्र व 2 पुत्रियाँ हैं, बच्चों की शादी करवाने के बाद इन्हें घर का माहौल ठीक नहीं लगा। ऊपर से हाथ में काम–धन्धा भी नहीं रहा। सो, जब इन्हें आनन्द वृद्धाश्रम के बारे में अच्छी बातें सुनने को मिली तो यहाँ चले आए। यहाँ आकर जैसा सुना था वह सच लगा। हालांकि शुरू – शुरू में उन्हें घर की याद सताती थी पर यहाँ की घर जैसी सुविधाओं में ऐसे ढले कि अब यहीं उनका घर हो गया हैं।

श्रीमती प्रेम पौद्दार बड़ी मिलनसार होने के साथ – साथ काफी क्रियाशील हैं। वे अन्य आश्रम वासियों के लिए इनका कोई – न – कोई मदद का काम करती रहती हैं, जैसे सिलाई करना अथवा रसोई में हाथ बँटाना। हेमराज जी भी व्यवहार कुशल एवं सक्रिय हैं और तारा नेत्रालय की ओपीडी के कार्य में व्यस्त रहते हैं। पौद्दार दम्पत्ति के अनुसार सम्पूर्ण सुविधा युक्त आनन्द वृद्धाश्रम अपना घर हो गया है।

सिलाई कार्य में व्यस्त श्रीमती पौद्दार

मैं कभी बुड्ढ़ा नहीं होऊंगा। मेरे लिए, बुढ़ापा हमेशा मुझसे 15 साल बड़ा है।

माँ – बेटे का साथ – साथ रहने का सौभाग्य !

अनिल जी अपनी (90 वर्षीय) माताजी के साथ वृद्धाश्रम में फुर्सत के पलों में

श्री अनिल मेहरा अपनी 90 वर्षीय माताजी को यहाँ रखने के लिए लेकर आये परन्तु जब तारा संसथान की निदेशक श्रीमती कल्पना गोयल ने उन्हें (अनिल जी) भी यहीं अपनी माता जी के साथ ही रहने की सलाह दी तो यह बात अनिल जी को भा गयी। माँ–बेटे का एक साथ रहना और वो भी समस्त सुख–सुविधाओं सहित बिलकुल निःशुल्क! सो, इस प्रकार अनिलजी को अपनी माताजी के साथ रहने का सौभाग्य मिला। मेहरा परिवार पिछले 45 सालों से गुवहाटी (आसाम) में रह रहा था। अनिल जी की तीनसुखिया में चश्मे की दुकान थी पर उन्हें आसाम में अपने बच्चों (1पुत्र व 1पुत्री) का कोई भविष्य नहीं नज़र आया सो उन्होंने दिल्ली शिफ्ट करके ट्रेडिंग शुरू की। परन्तु वहाँ के मौसम से परेशान होकर सारे परिवार के लोग बीमार रहने लगे तो उन्हें दिल्ली छोड़कर फिर आसाम जाना पड़ा। वहां सॉ मिल लगाई परन्तु बदकिस्मती से 2–3 महीने बाद ही सरकार ने टिम्बर पर बैन लगा दिया। 2–3 साल के इंतजार के बाद जब बैन नहीं हटा और सारी जमा–पूंजी खत्म होने लगी तो उन्होंने नागालैंड में एक किट–प्लाई इन्डस्ट्री में 15 साल तक अकाउंटेंट का काम किया। अनिलजी की उम्रदराज माँ का कोई ख़्याल रखने वाला नहीं था। उनकी पत्नी उनकी पुत्री के साथ रहती हैं और अनिलजी अपने पुत्र के साथ नहीं रहना चाहते थे सो हालात आनंद वृद्धाश्रम तक ले आये। अब यहाँ माँ–बेटे दोनों सुख–शांति के साथ जीवन बीता रहे हैं। अनिलजी यहाँ पर अन्य निवासियों के साथ घुल–मिल गए हैं और वक्त–बे–वक्त आवश्यकता पड़ने पर उनकी यथा–संभव मदद भी करते हैं। यहाँ की व्यवस्था से अनिलजी एकदम संतुष्ट हैं – समय पर चाय, नाश्ता, भोजन के साथ–2 मनोरंजन हेतु टीवी इत्यादि उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त समय–2 पर स्वास्थ्य जाँच, दवाइयाँ व चिकित्सा भी उपलब्ध कराई जाती हैं। श्री अनिल मेहरा का तारा संस्थान के दान–दाताओं से सधन्यवाद अनुरोध है कि वे ज्यादा–से ज्यादा सहयोग करके "आनंद वृद्धाश्रम" जैसे महत्त्वपूर्ण मानवीय प्रकल्पों को बढ़ावा देवें।

वृद्धाश्रम वासियों के वृत्तांत 5 : श्री सतीश चन्द्र – श्रीमती राजकुमारी अग्रवाल

खुद का घर – बार आदि सब कुछ है -- फिर भी यहाँ रहते हैं।

वृद्धाश्रम में आए अतिथियों से बतियाते अग्रवाल दम्पति

श्री सतीश चन्द्र अग्रवाल दिल्ली नगर निगम से असिस्टेंट कमिश्नर पद से सेवा निवृत्त हैं। उनका गाजियाबाद में स्वयं का मकान है और पेंशन आती है। पैसे वगैरह की कोई दिक्कत नहीं है। पर चूंकि उनकी अकेली संतान एक पुत्री जो कि एक आर्मी ऑफिसर से विवाहित हैं और अलग–अलग शहरों में पोस्टिंग पर रहते हैं अतएवं अग्रवाल दम्पत्ति निपट अकेले महसूस करते थे। इसलिए उन्होंने एकान्तता दूर करने व हम उम्र लोगों के माहौल में रहने हेतु कई वृद्धाश्रम देखने शुरू किए। कई तो पैड भी ऐसे थे जिसमें कोई न कोई कमी जरूर होती थी। उन्होंने दिल्ली, गाजियाबाद, नोएडा व गुड़गाँव वगैरह में 8–10 वृद्धाश्रमों को देखा – कहीं तो निवासियों की चिकित्सा की व्यवस्था नहीं, तो कहीं भोजन ठीक नहीं, कहीं रूम है तो कॉमन लॉबी नहीं। आखिरकार वे आनन्द वृद्धाश्रम आए... मार्च, 2014 में। पहले सिर्फ 5 दिन रहे और उन्हें यहाँ का वातावरण व व्यवस्था सब अच्छी लगी। यहाँ समय पर नाश्ता, भोजन व चिकित्सा सुविधा है, हमउम्र लोग भी अच्छे हैं, बातचीत व टाइमपास के लिए अच्छा माहौल है। अग्रवाल दम्पत्ति के अनुसार उम्र बढ़ने के साथ स्वयं की संताने भी साथ छोड़ देती है जैसा कि उन्होंने पाया कि आनन्द वृद्धाश्रम में भी ऐसे कई लोग हैं। परन्तु अग्रवाल दम्पत्ति खुशनसी है कि उनकी पुत्री उनका बहुत ख्याल रखती है। श्री अग्रवाल 25–30 वर्षों से योग सीखा रहे हैं और आनन्द वृद्धाश्रम के निवासियों के लिए भी हर सुबह 5.30 बजे निकट के पार्क में योग की क्लास लगाते हैं। उनकी देखा–देखी मोहल्ले के अन्य लोग भी योग कक्षा से जुड़ने लगे हैं। अग्रवाल दम्पत्ति के अनुसार आनन्द वृद्धाश्रम में इतनी सारी सुख–सुविधाएँ निःशुल्क हैं जो कि एक पैड आश्रम में पैसे देकर भी नहीं मिलती है। अग्रवाल दम्पत्ति यहाँ रहकर अत्यन्त खुश हैं एवं तारा संस्थान के आनन्द वृद्धाश्रम को अपना दूसरा घर मानते हैं।

बुढ़ा होना दुःख की बात है, पर परिपक्व होना अच्छा है।

वृद्धाश्रम वासियों के वृत्तांत 6 : **श्री सत्यनारायण जी**

जीवन भर की संघर्ष गाथा – ऊपर वाले ने भोपाल गैस त्रासदी से कैसे बचाया !

मध्यप्रदेश के धार जिले के एक गाँव के निवासी श्री सत्यनारायण जी (68 वर्ष) का बचपन बड़े आराम से गुज़रा। पिताजी कपड़े के व्यापारी थे, ये 3 बहिन व 4 भाई थे। पढ़ाई – लिखाई में बहुत तेज सत्यनारायण जी ने हायर सैकण्ड्री परीक्षा अव्वल दर्जे से पास की। फिर सिविल इंजीनियरिंग कॉलेज में दाखिला लिया तबसे इनके सितारे गर्दिश में आ गए। घर वालों का सहयोग मिलना बन्द हो गया और आखिरकार प्रथम वर्ष के बाद इन्हें इंजीनियरिंग कॉलेज छोड़ना पड़ा। घर पर खट–पट ऐसी हुई कि इनके पिताजी और बड़े भाई ने उन्हें खम्भे से बांध कर, पीट–पीट कर अधमरा कर दिया। छोटे भाई ने पुश्तैनी मकान बेचकर सारे पैसे स्वयं रख लिए। फिर सिलसिला शुरू हुआ एक अन्तहीन संघर्ष यात्रा का। एक आर्किटेक्ट के यहाँ काम शुरू किया। इसके पश्चात फ्लॉट बेचे, फिर प्रेस का काम सीखा। यहाँ तक कि इंदौर में सिक्योरिटी गार्ड का काम किया इसी दौरान एक मोटर साइकिल ने टक्कर मार दी तो कूल्हे की हड्डी टूट गई। न पैसे थे न, अपना कोई संभालने वाला। इसलिए ऑपरेशन करवाने से मना कर दिया। 6 महीने तक अकेले बिस्तर में पड़े रहे लेकिन इच्छा शक्ति के सहारे ठीक होकर फिर चलने लगे। परन्तु फिर किस्मत ऐसी फूटी कि एक बस में सफर के दौरान उछाल से उनकी हड्डी फिर टूट गई। फिर गाँव के नजदीक 10 दिन तक एक चबूतरे पर लाचार पड़े रहे। आते–जाते राहगीरों ने खाना दिया तो जैसे तैसे ज़िंदा बचे। इसी प्रकार एक दिन वह ग्वालियर से भोपाल जाने के लिए बस में बैठे, बस से किसी ने उनकी अटैची चुरा ली तो जैसे–तैसे उदयपुर अपनी बहन के घर पहुँचे। उसी दिन सुबह अखबारों में पढ़ा कि भोपाल गैस त्रासदी में हजारों लोग मारे गए। ईश्वर ने दरअसल अटैची खोने के बहाने उनकी जान बचाई। श्री सत्यनारायण जी करीब डेढ़ साल से आनन्द वृद्धाश्रम में हैं।

इनके अनुसार यहाँ का खाना – पीना और स्वच्छ वातावरण यहाँ की विशेषता है। वे कहते हैं – ''तारा, बेसहारों का सहारा।''

बुढ़ापा अचानक ही आजाता है, ना कि धीरे-धीरे जैसे कि सोचा जाता है।

वृद्धाश्रम वासियों के वृत्तांत 7 : **श्री खेमराज जी**

87 वर्षीय निःसहाय का आसरा : आनन्द वृद्धाश्रम

नाथद्वारा निवासी श्री खेमराज जी (87) शुरू से ही से चित्रकारी का काम करते थे। उस धंधे मे ज्यादा कमाई नहीं होते देख 1960 में उदयपुर आकर सुनारी का काम शुरू किया। चुंकि इस काम में मेहनत बहुत अधिक लगती थी सो वह एक कटोरी घी व मिठाइयाँ रोज खाते थे। नतीजन उन्हें शुगर की बीमारी हो गई। हालांकि उनका व्यापार अच्छा चला लेकिन बच्चों का सपोर्ट नहीं पाकर उसे बन्द कर दिया फिर जीवन में ये अकेले से पड़ गए। शुगर की समस्या के चलते यं आर्युर्वेदिक अस्पताल में भर्ती थे तभी वहीं पर भर्ती श्री नारायण सोनी (जो कि आनंद वृद्धाश्रम से परिचित थे) ने उन्हें यहाँ भेज दिया। बच्चे अपने – अपने काम धंधे में मशगुल हो गए और इधर इनकी पुत्री ने उनके सारे सामान पर कब्जा कर लिया। अब जबसे आनंद वृद्धाश्रम में आए हैं तब से सारी तकलीफ भूल गए हैं। दुध– दलिया खाकर इनकी शुगर भी अभी नियत्रंण में हैं। आनंद वृद्धाश्रम सचमुच सच्चा वुद्धाश्रम है जिसमें जीवन के 87 वें साल में भी इन्हें अच्छे खान–पान और हम उम्र लोगों की संगति मिल रही है।

खेमराज की शुगर की बीमारी के चलते उन्हें भोजन में दूध - दलिया की व्यवस्था उपलब्ध कराई गई हैं।

वृद्धाश्रम वासियों के वृत्तांत 8 : **श्री शिवराम जी**

इनकी 6 साल की उम्र में ही आँखें चली गई।

60 वर्षीय शिवराम जी की आँखों की रोशनी 6 साल की छोटी सी उम्र में चली गई। लेकिन जब तक माँ–बाप थे तब तक सब कुछ ठीक ही था। वे उसे बड़े प्यार से रखते थे। फिर वक्त के साथ पिताजी की ज़वानी में ही तिल्ली की बीमारी से मृत्यु हो गई। माँ बुढ़ापे में आग में जल कर मर गई और इसके साथ ही शिवराम पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। पुत्रवधू के ताने सुन–सुन कर घर छोड़ दिया। कुछ लोगों ने टीवी पर कल्पना जी के कार्यक्रम द्वारा तारा संस्थान संचालित "आनंद वृद्धाश्रम" के बारे में बताया तो उदयपुर आ गए! यहाँ आकर भटकते–भटकते नारायण सेवा संस्थान पहुंचे तो उन्होंने आनंद वृद्धाश्रम तक पहुँचाया। हंसमुख और मिलनसार शिवराम यहाँ बड़े खुश हैं। उनके अनुसार यहाँ रहना–खाना तो मिला ही, जो इज्जत उन्हें उनके गाँव में नहीं मिल पाई वो उन्हें यहाँ मिली है। कपड़े लत्तों के साथ साथ उन्हें मनोरंजन हेतु एक रेडियो भी दिया गया है। वे समस्त दानदाताओं का दिल से आभार व्यक्त करते हैं कि उनके पुण्य सहयोग से एक अंधे व्यक्ति का जीवन खुशहाल हो पाया है।

अपने बिस्तर पर रेडियो सुनते हुए शिवराम जी

बुढ़ापा मेरी तुलना में 15 साल बड़ा है।

तारा संस्थान, उदयपुर के अन्तर्गत

आनन्द वृद्धाश्रम

प्रस्तावित नवीन परिसर हेतु भूमि अनुदान

तारा संस्थान ने 3 फरवरी, 2012 को आनन्द वृद्धाश्रम प्रारंभ किया। उद्घाटन के समय 25 वृद्ध लोगों के पूर्णतया नि:शुल्क रहने की व्यवस्था थी। आनन्द वृद्धाश्रम ऐसे बुजुर्गों का घर बना जिन्होंने अपने समय में एक अच्छा जीवन जिया था लेकिन परिस्थितियों ने उन्हें लाचार और कुछ को लावारिस बना दिया। बुजुर्गों के इस घर में उन्हें आवास चिकित्सा, भोजन, वस्त्र आदि सभी सुविधाएँ नि:शुल्क उपलब्ध हैं और साथ में सम्मान के साथ अपनापन और प्यार भी दिया जाता है।

आनन्द वृद्धाश्रम में गंभीर रूप से बीमार होने पर या कई बार बिस्तर पकड़ने (BED RIDDEN) होने पर भी आवासी की पूर्ण सेवा या चिकित्सा की गई है।

25 बेड से प्रारंभ हुए आनन्द वृद्धाश्रम में वर्तमान में 45 बेड हैं क्योंकि जैसे जैसे नये बुजुर्ग आते गए उनको मना नहीं किया जाकर उनके लिए बेड बढ़ाते गए। लेकिन समस्या अब सामने आ रही है कि प्रतिमाह 2 के औसत से लोग जानकारी मांगते हैं या वृद्धाश्रम में आवास की इच्छा जताते हैं पर अब ज्यादा बेड खाली नहीं बचे हैं।

समस्या के निदान के लिए संस्थान द्वारा एक 7000 वर्ग फीट का प्लाट लिया गया है। इस प्लॉट पर एक सर्व सुविधायुक्त वृद्धाश्रम बनाया जाना प्रस्तावित है। उदयपुर शहर की आबादी के मध्य हिरण मगरी सेक्टर 14 में स्थित है। आबादी के मध्य होने से रहने वाले बुजुर्गों को एकाकीपन का एहसास नहीं होगा और बाजार, पार्क आदि सुविधाएँ नजदीक होने से उनका आनंद उठा सकेंगे।

प्लॉट लेने के लिए संस्थान को स्टेट बैंक ऑफ इंडिया से लोन लेना पड़ा। हमारा यह विश्वास है कि जैसे बूंद बूंद से घड़ा भरता है वैसे ही यदि हम हमारे दानदाताओं से सम्पर्क करें तो इस भूमि के लिए सहयोग जुटा सकते हैं। तारा संस्थान में आने वाले एक भी बुजुर्ग को आनन्द वृद्धाश्रम में स्थान नहीं होने के कारण निराश न जाना पड़े यही सोच इस नए वृद्धाश्रम की भूमि लेने की है। आशा है कि आप असहाय बुजुर्गों की इस आस में अपना छोटा सा सहयोग देकर कृतार्थ करेंगे।

-: भूमि सौजन्य राशि :-

भूमि सेवा रत्न	:	1,00,000 रु.
भूमि सेवा मनीषी	:	51,000 रु.
भूमि सेवा भूषण	:	21,000 रु.

भूमि हेतु सहयोग करने वाले दानदाताओं के नाम प्लॉट के मुख्य द्वार के दोनों और स्वर्णाक्षरों में अंकित किए जाएंगे और भूमि पूजन के समय आप सभी को निमंत्रित कर आपका सम्मान किया जाएगा।

अन्तर्राष्ट्रीय वृद्ध दिवस पर आयोजन

आयोजन में सम्बोधित करते हुए
श्री गिरीश भटनागर, उप निदेशक, सा.न.एवं अ. विभाग

समारोह में सम्मानित वृद्धजन भेंट के साथ

1 अक्टूबर, 2015 को आनन्द वृद्धाश्रम में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग तथा तारा संस्थान के संयुक्त तत्त्वावधान में ''अन्तर्राष्ट्रीय वृद्ध दिवस'' समारोह बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर आनन्द वृद्धाश्रम के निवासियों की स्वास्थ्य जाँच की गईं तथा उनका सम्मान कर उन्हें भेंट दी गई। **इस समारोह एक विशेष आकर्षण था – ''हॉर्ली ऑनर्स ग्रुप'' उदयपुर द्वारा बुजुर्गों का सम्मान करना तथा एक वाशिंग मशीन भेंट करना। तत्पश्चात वे सब युवा लोग अपनी – अपनी बाइकों पर बुजुर्गों को घुमा कर लाए।**

वरिष्ठजन हार्ली बाईक का मजा लेते हुए।

तारा संस्थान ने 6 वर्षीय बच्चे का AIMS में मोतियाबिन्द ऑपरेशन करवाया।

ऑपरेशन के पश्चात दुष्यंत अपने माता - पिता के साथ

दुष्यंत पुत्र श्री पंकज नि. बारां (राज.) की दोनों आँखों में बचपन से ही मोतियाबिन्द था लेकिन परिवार की माली हालत खस्ता होने की वजह से वे कुछ करने की स्थिति में नहीं थे। एक दिन श्री पंकज ने टी.वी. पर तारा संस्थान के एक कार्यक्रम में नेत्र ऑपरेषन का दृष्य देखकर उन्होंने श्रीमती कल्पना गोयल से सम्पर्क साधा। कल्पना जी ने उन्हें बच्चे को उदयपुर ले आने को कहा। यहाँ जाँच में पाया गया कि बच्चे की आँख का लेंस बचपन से ही मुड़ा हुआ था और इस तरह के केस का ऑपरेषन यहाँ संभव नहीं था। यह AIMS दिल्ली में संभव था पर वहाँ का खर्चा पंकज जी वहन नहीं कर सकते थे सो तारा संस्थान ने उन्हें 11000/– रु. देकर बच्चे की एक आँख का ऑपरेषन दि. 30 सितम्बर, 2015 को संभव करवाया। इसी क्रम में दूसरी आँख का ऑपरेषन 3 अक्टूबर, 2015 को हुआ। **श्री पंकज ने तारा संस्थान का लाख – लाख शुक्रिया अदा किया कि एक गरीब बच्चे के मसीहा के रूप में वे काम आए।**

शिक्षा बुढ़ापे के लिए सबसे अच्छा प्रावधान है।

मोतियाबिन्द जाँच - ऑपरेशन हेतु चयन शिविर

तारा संस्थान द्वारा निर्धन वृद्ध बन्धुओं की आँखों में सामान्यतः पाये जाने वाले मोतियाबिन्द के निदान और ऑपरेशन हेतु चयन के लिए शिविर आयोजित किये जाते हैं। दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं की स्थिति अधिक ही पीड़ादायक है, क्योंकि प्रथम तो उन्हें मोतियाबिन्द–ऑपरेशन की सुविधा आसानी से उपलब्ध नहीं है एवं द्वितीय, निर्धनता उनकी चिकित्सा में बड़ा अवरोधक है। तारा संस्थान ने ऐसे निर्धन बन्धुओं की जाँच हेतु शिविर लगाने एवं चयनित मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं के शिविर स्थल के निकटवर्ती कस्बे या शहर में स्थित अधुनातन सुविधाओं से सम्पन्न नेत्र चिकित्सालयों या संस्थान के उदयपुर, दिल्ली व मुम्बई स्थित 'तारा नेत्रालय' में सर्वथा निःशुल्क ऑपरेशन करवाने का कार्य प्रारंभ किया है। निःशुल्क सुविधाओं में मोतियाबिन्द की जाँच, दवाइयाँ, लेंस, ऑपरेशन, चश्मे, रोगियों का परिवहन, भोजन तथा देखभाल आदि सम्मिलित है।

दानदाताओं के सौजन्य से माह सितम्बर, 2015 के मध्य आयोजित शिविरों का संक्षिप्त विवरण

श्री अमरा जी, उदयपुर

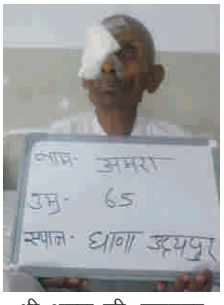

श्रीमती केसर बाई, उदयपुर

श्रीमती यषोदा देवी, दिल्ली

श्रीमती मालती देवी, दिल्ली

श्री राजूभाई जी, मुम्बई

श्रीमती अंजना जी, मुम्बई

तारा नेत्रालय, उदयपुर में आयोजित शिविर

शिविर दिनांक	सौजन्यकर्त्ता	ओ.पी.डी.	चयनित रोगी	चश्मे	दवाई
03.09.2015	श्री हरीराम कृष्णकुमार डालमिया, सिकंदराबाद	125	13	53	66
09.09.2015	श्री प्रहलाद राय शर्मा, खाटूश्याम, सीकर (राज.)	100	30	36	47
10.09.2015	श्री बोहित राम जी पौद्दार, फतेहपुरी शेखावटी, सीकर (राज.)	147	21	42	56
23.09.2015	श्री मदन लाल चौधरी, कावेसर गाँव, बाधबिल रोड - ठाणे (महा.)	154	12	37	56
24.09.2015	श्री भारत भूषण अग्रवाल, हैदराबाद	138	12	32	39
28.09.2015	श्री उम्मेद राज - श्रीमती मैना देवी जैन, गाँव - थांवला, डेगाना, नागौर (राज.)	135	08	39	62

तारा नेत्रालय, मुम्बई में आयोजित शिविर

25.09.2015	श्री अनुप अर्जुनदास अलरेजा, मुम्बई	60	07	12	27
28.09.2015	वीना जी और धवन परिवार, मुम्बई	50	05	13	24

मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 30 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर - 151000 रु.
चश्मा जाँच - चश्मा वितरण - दवाई सहयोग राशि, प्रति शिविर - 21000 रु.

बुढ़ापा तुफान में उड़ रहे एक विमान की तरह है एक बार आप बैठ गए तो फिर कुछ नहीं कर सकते।

अन्य दानदाताओं के सौजन्य से देशभर में आयोजित शिविरों की झलकियाँ

श्री कल्याणमल - श्रीमती प्रेम देवी कराड़

श्री तारा चन्द बंसल (एसोसिएट रोडवेज प्रा.लि.), हैदराबाद

श्री रणजोद सिंह राणा रायपुर (छत्तीसगढ़)

आओ अमारी साथे सेवा ट्रस्ट, सायन, मुम्बई

श्रीमती सुषमा - श्री सत्यभूषण जैन, दिल्ली

श्री सतवीर जी - श्रीमती बिमला यादव, महालक्ष्मी गार्डन, गुड़गाँव

श्रीमती मैना सुन्दरी के सुपुत्र श्री राकेश, श्री राजेश जैन, दिल्ली

श्री सीताराम - श्रीमती यशोदा देवी माली एवं परिवार, नागौर

कमला देवी मेमोरियल एजुकेशनल वेल्फेयर एवं चेरिटेबल सोसायटी, दिल्ली

एम्पायर टेक्नोकॉम प्रा.लि. (श्रीमती प्रभा देवी नागलिया), सूरत

श्री धर्मा एच. सैनी, बोईसर, मुम्बई

शिविर दिनांक	सौजन्यकर्त्ता	स्थान	ओ.पी.डी.	चयनित रोगी	चश्मे	दवाई
02.09.2015	श्री सीताराम - श्रीमती यशोदा देवी माली एवं परिवार, नागौर	खरसाण, उदयपुर (राज.)	150	15	50	100
05.09.2015	श्री सतवीर जी - श्रीमती बिमला यादव, महालक्ष्मी गार्डन, गुड़गाँव	गुड़गाँव (हरि.)	700	40	290	550
06.09.2015	श्री रणजोद सिंह राणा, रायपुर (छत्तीसगढ़)	मेनार, उदयपुर (राज.)	105	11	39	54
08.09.2015	श्री कल्याणमल - श्रीमती प्रेम देवी कराड़	चित्तौड़गढ़ (राज.)	151	07	39	135
13.09.2015	श्री तारा चन्द बंसल (एसोसिएट रोडवेज प्रा.लि.), हैदराबाद	मावली, उदयपुर (राज.)	145	02	30	110
20.09.2015	श्रीमती सुषमा - श्री सत्यभूषण जैन, दिल्ली	अंडरपास, दिल्ली 88	1096	31	387	656
23.09.2015	आओ अमारी साथे सेवा ट्रस्ट, सायन, मुम्बई	गाँव - रनहौला, दिल्ली 41	450	30	125	212
26.09.2015	श्री धर्मा एच. सैनी, बोईसर, मुम्बई	झाडोल, उदयपुर (राज.)	147	10	...	92
26.09.2015	कमला देवी मेमोरियल एजुकेशनल वेल्फेयर एवं चेरिटेबल सोसायटी, दिल्ली	द्वारका, नई दिल्ली	674	22	218	623
28.09.2015	श्रीमती मैना सुन्दरी के सुपुत्र श्री राकेश, श्री राजेश जैन, दिल्ली	गाँधीनगर, दिल्ली 31	198	13	85	189
30.09.2015	एम्पायर टेक्नोकॉम प्रा. लि. (श्रीमती प्रभा देवी नागलिया), सूरत	चित्तौड़गढ़ (राज.)	145	06	....	69

बुढ़ापा बाकि सभी चीजों की तरह है इसे सफल बनाने के लिए ज़वानी में ही शुरुआत करनी पड़ती है।

स्व. सरदार कुलबन्त सिंह चड्डा की प्रेरणा से
''The Ponty Chaddha Foundation'' के सौजन्य से आयोजित शिविर

स्व. श्री पोण्टी चड्डा

शिविर दिनांक	स्थान	ओ.पी.डी.	चयनित रोगी	चश्मे	दवाई
03.09.2015	गुरुवार श्री गुरु सिंह सभा, फेज I, पॉकेट 5, शषि गार्डन, दिल्ली	376	13	178	214
06.09.2015	श्री गुरु नानक सिंह सभा, पंजाबी कॉलोनी, उल्लासनगर (महा.)	307	12	176	168
13.09.2015	सचखण्ड नानक धाम (Regd.), गुरुद्वारा रोड, इन्द्रापुरी, लोनी, गाजियाबाद	522	52	203	333
27.09.2015	गऊषाला स्कूल (निकट बाबूराम स्कूल, भोला नाथ नगर शाहदरा) दिल्ली	612	21	332	548
29.09.2015	ऐ.बी. शूर्गस लिमिटेड, गाँव – रधावा, तह. दसुआ, होषियारपुर (पंजाब)	780	28	348	579

इस शिविरों में चयनित सभी रोगियों के तारा नेत्रालय, दिल्ली एवं मुम्बई में निःशुल्क मोतियाबिन्द ऑपरेशन करवाए गए हैं।

मानवीय सेवा सौजन्य के लिए तारा संस्थान, उदयपुर, दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी एवम् वेव इन्फ्राटेक, दिल्ली के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करता है एवं स्व. सरदार कुलबन्त सिंह चड्डा के प्रति हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

स्वागत :-

तारा संस्थान में पधारे अतिथि महानुभावों का स्वागत सम्मान

श्री अनूप कुमार अग्रवाल, बैंगलोर

श्री गंगाधर चाण्डक एवं श्री दीपक कुमार चाण्डक

श्री सीताराम सिंघल एवं साथी, गाजियाबाद (यू.पी.)

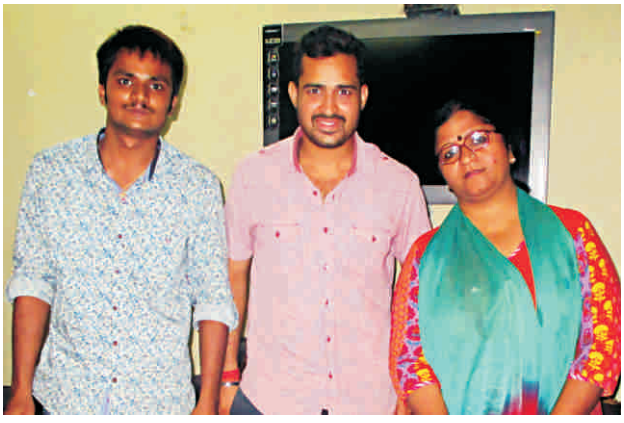

श्री आयुष शर्मा, बारां (राज.)

''तारा परिवार का सौभाग्य कि आपने अभिनन्दन का अवसर प्रदान किया''

श्री कान्तु भाई पटेल एवं श्री जगमोहन चौकसी
नवसारी (गुजरात)

श्री जैन, आगरा

श्री दिलीप जैन, आगरा

श्री आनन्द मोदी, कानपुर

ऐ उम्र ! कुछ कहा मैंने, पर शायद तूने सुना नहीं,
तू छीन सकती है बचपन मेरा, पर बचपना नहीं.. !!

जिन्दगी की दौड़ में कच्चा रह गया
नहीं सीखा फरेब बच्चा रह गया.. !!

जो कुछ भी इंसान को हो सकता है उसमें बुढ़ापा अचानक होने वाली चीज है।

Thanks

NAME AND PLACE OF THE DONORS, WE ARE GRATEFUL TO THEM

Donors are requested kindly to send their photographs alongwith Donation for publishing in TARANSHU

Mr. Damodar Bagiram & Mrs. Manju Damodar
Pikalmunde, Nagapur (MH)

Mr. Narendra Bhai & Mrs. Tarun Ben
Morbi (Guj.)

Mr. Mahaveer & Mrs. Ratani Devi Sethi

Mr. Suresh Chand Jain & Mrs. Rajkumari Jain
Sikar (Raj.)

Mr. Gangaram Mehta & Mrs. Sheelawati
Faridabad (HR)

Mr. & Mrs. Shanti Lal
Nagaur (Raj.)

Mr. Satya Narayana & Mrs. Shashikala
Hyderabad

Mr. Rajendra & Mrs. Mamta Taksali
Jaipur (Raj.)

Lt. Mr. Mamchand Gupta &
Lt. Mrs. Jaimala Gupta, Saharanpur

Mr. Neeraj - Mrs. Sujata, Sarthak &
Parth Bejalwar, Yavatmal (MH)

Mr. P.L. Almadi & Mrs. Sudesh Almadi
Gurgaon

Mr. Kanraj B. & Mrs. Devi Banik Chopra
Pali (Marwar)

Nitiksha Dubey
Chandigarh

Arjun Dubey
Chandigarh

Ziva Dubey
Chandigarh

Mr. Prabhu Dayal Kumawat
Thane, Mumbai

Mr. Madan Lal Chaudhary
Thane, Mumbai

Mr. Ghanshyam Singh
Rangpur - Morbi (Guj.)

Mr. Pradeep Bhai Dheeraj
Lal Pandya, Rajkot (Guj.)

Mrs. Sheela Kulhar
Bikaner (Raj.)

Mr. Hansraj Bhai B. Kanchrola
Morbi (Guj.)

Mr. Deo Kishan Nathani
Kolkata

Mr. Pradeep Jain
Delhi

Mrs. Ruchi Ji
Delhi

Lt. Mrs. Jamnuawati Taksali
Jaipur (Raj.)

Mrs. Urmila Agrawal

Mr. Anil Kumar
Muzaffarnagar (UP)

Lt. Mrs. Kusum Lata Babulal
Ahmedabad

Mr. Ramswaroop Gupta
Delhi

Mr. Amrit Lal

Mr. Valmik Prasad

Vansh

Mrs. Aasha Baghva
Jaipur (Raj.)

चालाकी बिना बुढ़ापे हुए बड़ा होने में है।

FCRA

Tara Sansthan is registered under Foreign Contribution Regulation
Act (FCRA) with the Govt of India for receiving Donations from Foreign Countries VIDE Registration No. 125690108

'Tara' Contact Details - Office

Mumbai Office : Unit No. 1408/7, 1st Floor, Israni Indl. Estate, Penkarpara, Nr. Dahisar Check-post, Thane - 401104 (M.S.) INDIA
Jagdish Choubisa Cell : 07821855748, Shri Bharat Menaria Cell : 07821855755

Delhi Office: WZ-270, Village - Nawada, Opp. 720, Metro Pillar, Uttam Nagar, Delhi - 59, Shri Amit Sharma Cell : 07821855747

Surat Office : 295, Chandralok Society, Parwat Gaon, Surat (Guj.), Shri Prakash Acharya Cell : 08866219767

'Tara' Centre - Incharge

Shri S.N. Sharma
Mumbai (M.S.)
Cell : 09869686830

Smt. Rani Dulani
10-B/B, Viceroy Park, Thakur Village,
Kandiwali (W), Mumbai - 400 101, Cell : 09029643708

Shri Pawan Sureka Ji
Madhubani (Bihar)
Cell : 09430085130

Shri Satyanarayan Agrawal
Kolkata
Cell : 09339101002

Shri Bajrang Ji Bansal
Kharsia (CG)
Cell : 09329817446

Shri Rajkumar Verma
Indore (MP)
Cell : 07821855757

Smt. Pooja Jain
Saharanpur (UP)
Cell : 09411080614

Shri Naval Kishor Ji Gupta
Faridabad (HR.)
Cell : 09873722657

Shri Anil Vishvnath Godbole
Ujjain (MP)
Cell : 09424506021

Shri Vishnu Sharan Saxena
Bhopal (M.P.)
Cell : 09425050136, 08821825087

Lt. Col. A.V.N. Sinha
Lucknow
Cell : 09598367090

Shri Dinesh Taneja
Barelly (UP)
Cell : 09412287735

Area Specific Tara Sadhak

Shri Kamal Didawania
Area Chandigarh, Haryana
Cell : 07821855756

Shri Ramesh Yogi
Area Lucknow (UP)
Cell : 09694979090

Shri Rameshwar Jat
Area Gurgaon, Faridabad
Cell : 07821855758

Shri Sanjay Choubisa
Shri Gopal Gadri
Area Delhi
Cell : 07821055717, 07821855741

Shri Bhanwar Devanda
Area Noida, Ghaziabad
Cell : 07821855750

Shri Vikas Chaurasia
Area Jaipur (Raj.)
Cell : 09983560006
09414473392

Donors Kindly NOTE

It you do not get any response from any of the above mentioned Mob. numbers, Kindly inform us at Mobile No. 09549399993 and / or 09649399993

INCOME TAX EXEMPTION ON DONATIONS

Donations to Tara Sansthan are TAX-EXEMPT under section 80G and 35 AC / 80GGA of I.T. Act. 1961 at
the rate of 50% and 100%

Donation to Tara Sansthan may be sent by cheque/draft drawn in favor of Tara Sansthan, payable at Udaipur, OR may be remitted direct into any of the following Bank Accounts, with caopy of pay-in-slip and Donor's address to Tara Sansthan, Udaipur for expediting Donation Acknowledgment Receipt

Tara Sansthan Bank Account

ICICI Bank (Madhuban) A/c No. 004501021965	**IFS Code : icic0000045**	**HDFC A/c No. 12731450000426**	**IFS Code : hdfc0001273**
SBI A/c No. 31840870750	**IFS Code : sbin0011406**	**Canara Bank A/c No. 0169101056462**	**IFS Code : cnrb0000169**
IDBI Bank A/c No. 1166104000009645	**IFS Code : IBKL0001166**	**Central Bank of India A/c No. 3309973967**	**IFS Code : cbin0283505**
Axis Bank A/c No. 912010025408491	**IFS Code : utib0000097**		

For online donations - kindly visit - www.tarasansthan.org **Pan Card No. Tara - AABTT8858J**

TARA NETRALAYA

WZ-270, Village - Nawada, Opp. 720, Metro Pillar, Uttam Nagar, Delhi - 59
DELHI HOSPITAL - Tara Netralaya, +91 9560626661, 011-25357026

TARA NETRALAYA

Unit No. 1408/7, 1st Floor, Israni Indl. Estate, Penkarpara, Nr. Dahisar Check-post, Meera Road, Thane - 401107 (M.S.) INDIA
MUMBAI HOSPITAL - Tara Netralaya, Shankar Singh Rathore +91 8452835042, 022 - 28480001

तारांशु (हिन्दी - अंग्रेजी) मासिक - सितम्बर, 2015
प्रेषण तिथि - 11-18 प्रति माह
प्रेषण कार्यालय का पता : उपडाकघर, शास्त्री सर्कल, उदयपुर
समाचार पत्र पंजीयन सं. : RAJBIL/2011/42978
डाक पंजीयन क्र. : आर.जे./यू.डी./29-102/2015-2017
मुद्रण तिथि : 9 प्रतिमाह

तारा संस्थान के नि:शुल्क मानवीय सेवा प्रकल्प, आपसे प्रार्थित अपेक्षित सहयोग -सौजन्य राशि

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन)

01 ऑपरेशन - 3000 रु., 03 ऑपरेशन - 9000 रु., 06 ऑपरेशन - 18000 रु., 09 ऑपरेशन - 27000 रु., 17 ऑपरेशन - 51000 रु.

नेत्र शिविर सौजन्य

मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 30 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर - 151000 रु.
चश्मा जाँच - चश्मा वितरण - दवाई सहयोग राशि, प्रतिशिविर - 21000 रु.

तृप्ति योजना सेवा	गौरी योजना सेवा	आनन्द वृद्धाश्रम सेवा
(प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री सहायता)	(प्रति विधवा महिला सहायता)	(प्रतिबुजुर्ग)
01 माह - 1500 रु.	01 माह - 1000 रु.	01 माह - 5000 रु.
06 माह - 9000 रु.	06 माह - 6000 रु.	06 माह - 30000 रु.
01 वर्ष - 18000 रु.	01 वर्ष - 12000 रु.	01 वर्ष - 60000 रु.

एक विधवा महिला के बच्चे की शिक्षा हेतु वार्षिक सहयोग - 12000 रु.

सहयोग राशि - आजीवन संरक्षक 21000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 2 मोतियाबिन्द ऑपरेशन,
आजीवन सदस्य 11000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 1 मोतियाबिन्द ऑपरेशन (संचितनिधि में)

दान पर आयकर में छूट : तारा संस्थान को दिया गया दान आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G व 35AC/ 80GGA के अन्तर्गत आयकर में 50% व 100% छूट योग्य मान्य है।

निवेदन : कृपया अपना दान - सहयोग नकद या 'तारा संस्थान, उदयपुर' के पक्ष में देय चैक/ड्राफ्ट द्वारा संस्थान के पते पर प्रेषित करने का कष्ट करें, अथवा : अपना दान सहयोग तारा संस्थान के निम्नांकित किसी बैंक खाते में जमा करवा कर 'पे-इन-स्लिप' अपने पते सहित संस्थान को प्रेषित करें ताकि दान - सहयोग प्राप्ति रसीद आपको तत्काल भेजी जा सके।

ICICI Bank (Madhuban) A/c No. 004501021965	IFS Code : icic0000045	HDFC A/c No. 12731450000426	IFS Code : hdfc0001273
SBI A/c No. 31840870750	IFS Code : sbin0011406	Canara Bank A/c No. 0169101056462	IFS Code : cnrb0000169
IDBI Bank A/c No. 1166104000009645	IFS Code : IBKL0001166	Central Bank of India A/c No. 3309973967	IFS Code : cbin0283505
Axis Bank A/c No. 912010025408491	IFS Code : utib0000097	Pan Card No. Tara - AABTT8858J	

जो दानदाता आयकर में 35 AC के अन्तर्गत छूट प्राप्त करना चाहते हैं वे हमारे इस खाते में दान प्रेषित करें :
खाता सं. :- 693501700205, ICICI बैंक, सेक्टर 4, उदयपुर

'तारा' के सेवा प्रकल्पों का कृपया टी.वी. चैनल्स पर प्रसारण देखें :-

'पारस ' रात्रि 9.20 से 9.40 बजे	'आस्था भजन' प्रात: 8.40 से 9.00 बजे	'आस्था' रविवार दोपहर 2.30 बजे

बुक पोस्ट

बुजुर्गों के लिए...
तारा संस्थान
डीडवाणिया (रतनलाल) नि:शक्तजन सेवा सदन
236, सेक्टर - 6, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.) 313002
मो. +91 9549399993, +91 9649399993
Email : info@tarasansthan.org, donation@tarasansthan.org
Website : www.tarasansthan.org